

सूचनिका

पूर्वाध

१. हरजस और देई-देवतां-रा गीत

| | |
|---|----|
| १. परभाती—म्हानै रामजी मिल्या वनरावन-में | ५ |
| २. बालाजी—बाबा बजरंगजी-को बंगलो हृद वण्यो | ७ |
| ३. माताजी—ऊंचै तो परवत भवानी ! कोयल कुळकै अे माय ! | ६ |
| ४. जळ-देवता—हरिया वांसां-री छावडी रे ! | ११ |
| ५. मात्रळी (मात्रळियां)—आज म्हारी मात्रळी मढ-में विराजै | १४ |
| ६. भैरूंजी—भैरूंजी ऊंचै-सै धोरै थारो देवरो | १६ |
| ७. रामदेवजी—राम-सा ! अूभी ओ पीरां-जी ! अूभी ओ | १७ |

२. तिनारां-रा गीत (गव्वर, तीज, होळी)

| | |
|---|----|
| ८. गव्वर—आव्रो माता गव्वरांदे ! इण घर पात्रणा | २१ |
| ९. गव्वर—गव्वर अे गणगोर माता ! खोल किवाडी | २२ |
| १०. गव्वर—गहरो जी फूल गुलाब-रो | २३ |
| ११. सात्रण-री तीज—मोरूडा ! गहरो-गहरो बोल | २५ |
| १२. सात्रण-री तीज—आयी आयी मा ! सात्रणिया-री तीज | २६ |
| १३. सात्रण-री तीज—हरियै हरियाळै डाळै काळी कोयल बोलै राज | २८ |
| १४. होळी—होळी मंगाळै जी | २९ |
| १५. होळी—म्हारी घूमर छै नखराळी अे माय ! | ३० |
| १६. होळी—रंगीलो चंग वाजणू | ३२ |

३. उत्सव्रां-रा गीत (व्यांत्र, पुत्रजन्म)

| | |
|---|----|
| १७. विनायक—गढ रणतभंवर-सू आव्रो विनायक ! | ३५ |
| १८. वनडी—काची दाख हेठै वनडी पान चाबै फूल सूं घै | ३८ |
| १९. माहेरो (भात)—उड वायसडा ! म्हारा पीत्रर जा | ३९ |

| | |
|--|----|
| २०. महंदा—प्रेम रस महंदा राचणी | ४१ |
| २१. वनडो—हां जी वना ! हसती थे भल ल्याय | ४३ |
| २२. कामण—वनो कांकड़ आय विराज्यो जी गज कामणिया | ४४ |
| २३. चंवररी—इण चंवररी रामचंदरजी नै सीताजी चढ्या | ४७ |
| २४. मत नन्नो—कोट नन्नै परवत नन्नै और नन्नै यन कोई | ४८ |
| २५. जलो—म्हे तो थारा डेरा निरखण आयी हो जलाल ! | ४९ |
| २६. ओळू—इतरो बाबोसा-रो हेत छोड'र बाई ! सिध चाल्या ? | ५२ |
| २७. ओळू—थारै बाबोसा बाग लगायो अे वनडी ! | ५४ |
| २८. ओळू—मेरो पींडो रीतो ओ बाबल ! | ५६ |
| २९. ओळू—अेक वर करला थारा मारूजी ! पाछा जी मोड | ५८ |
| ३०. रातीजागै-रो गीत—अंबर जाग्या देई-देवता | ५९ |
| ३१. माता राणकदे—लीप्यो-तो-चूप्यो अे माता ! आंगणो | ६० |
| ३२. कूखडली—मा ! सहस-तळावां में गयी जे | ६२ |
| ३३. जापो—ढोला ! म्हारी दाई-नै वेग बुलाव्रो | ६४ |
| ३४. पींपळी—अे म्हानै घणी अे सुहानै जच्चा ! पींपळी अे | ६५ |

४. परवार-रा गीत

टाबरां-रा गीत

| | |
|-------------------------------------|----|
| ३५. लोरी—सोयी रे गीगा ! सोयी | ७१ |
| ३६. लोरी—गीगा-नै खिलायी अे चिडकली ! | ७२ |
| ३७. यो वटेऊ कित जासी ? | ७३ |
| ३८. डोडो जवार-रो | ७४ |
| ३९. चांद चढ्यो गिगनार | ७६ |

पीवर और सासरै-रा गीत

| | |
|--|----|
| ४०. कूण नगर सुसराळ मेरी माय ! कूण नगर मेरो पीवरियो ? | ७७ |
| ४१. केवडो—म्हारै बाबोजी-री पोळ सु-पोळ | ७८ |
| ४२. सुसरोजी म्हारा घर-रा राजा सासूजी ठुकराणी जी | ७९ |
| ४३. म्हारी अे वन्नडिया सरवणती | ८० |
| ४४. मेरी सास सुलखणी कोई करै घणोरा लाड | ८२ |
| ४५. में कइयां जगाऊं काची नींदा-में सूतो सायेबो | ८३ |
| ४६. नीमोळीडा | ८४ |
| ४७. सासू सूधली लडै | ८७ |

सुखी गृहस्थी-रा गीत

४८. वधाव्रो—म्हारै आंगण आम, पिछोकडै मरव्रो ८६
 ४९. वधाव्रो—मधुवन-रो आंबो मोरियो ९१
 ५०. सपनो—सपना-रो अरथ बताव्रो जी राज ! ९३

५. ग्रामजीवण-रा गीत

५१. म्हारा राम रुघनाथ ! ९७
 ५२. हळ हांको महादेव ! ९८
 ५३. मेहूडा वरसैला उंताव्रळा १००
 ५४. आ वदळी कित जासी ? १०२
 ५५. मारूजी-रै खेतां जाव्रो वदळी ! १०३
 ५६. म्हारो खेत सींचवा आन्न वदळी ! १०४
 ५७. आज म्हारी वदळी वरसैगी १०५
 ५८. नित वरसो मेहा वागड-में १०६
 ५९. सुरंगी रुत आयी म्हारै देस १०७
 ६०. झिरमिर-झिरमिर मेहूडो वरसै १०८
 ६१. टीडी ! उड ज्या अे, खेत परायो १०९
 ६२. बारामासो—'साढ महीनै विरखा लागी ११०
 ६३. मेरो देव्रियो चरात्रै सांड करला गाजणा ११३
 ६४. मारूजी ! म्हे थां-सूं चौगणो कमात्रां ११५
 ६५. म्हारो गोरबंद लूंवाळो ११७
 ६६. मोठ-बाजरी वागड-मेवा भल-भल दचो करतार ! १२०
 ६७. रामूडो राजी अब होय गयो १२२
 ६८. हो भगवान ! थारी माया ! १२४
 ६९. वनवारी हो लाल ! कोन्या थारै सारै १२६

उत्तरार्ध

६. प्रेम-रा गीत

७०. मूमल—सोढो राणो सात्रणियै-रो मेह मूमल आभा वीजळी १३३
 ७१. मूमल—मूमल ! हालै नी अे आलीजै-रै देस १३४
 ७२. गाढो पेमलडो गोरी-रै नैणां चुय-चुय जाय १३६

७३. थारी ढोला ! मरवण के लागी ? १३८
७४. सुक्कर-को तारो रे ईसर ! ऊगी रहचो तै-की मख टीकी घडात्र १३९
७५. पणिहारी—काळी अे कळायण अमटी अे पणिहारी अे लो १४०
७६. हरियाळो—गोरी म्हारी अे ! हरियाळो वूठीजै क्यू ? १४३
- विरह-रा गीत**
७७. अेकथंभियो महल १४६
७८. नीमडली १४९
७९. ओळू—ऊंची तो खिन्नै ढोला ! वीजळी १५३
८०. मिरगं विना मिरगी अेकलडी १५५
८१. उड ज्या रे पंखेरुत्रा ! सांझ पडी १५६
८२. म्हारा राजीडा-री छिन-छिन ओळू आत्रै १५७
८३. पीपळी—वाय चलया छा भंवरजी पीपळी जी १५८
८४. तीजां आयी ढोलो नहीं आयो १६१
८५. जाडो तो पडियो जी नणदवाई ! डूगरां १६३
८६. फागण फीको अे सहेल्यां ! अेक स्याम विना १६४
८७. सपनो तो आयो सरब-सुलखणो जी म्हारा राज १६६
८८. मारो अे रतनादे दासी ! कागलिया-रै तीर १६८
८९. उड उड रे म्हारा काळा रे कागला ! १६९
९०. जलालो—आयोडो सुणीजै अे जलालो देस-में १७०

७. विनोद और व्यंग-रा गीत

९१. वनो म्हारो असल गंत्रार वनी म्हारी चातर सा जी चातर सा १७५
९२. म्हारी सासू-नै यूं कहचो १७७
९३. म्हारो महल डूगर-रै ऊपर माणीगर-रो घाटी-में १७८
९४. सौदो—दमडी ले-कै मैं सोनी-कै चाली १८०
९५. मांगण-को दिन आज वाई ! मांगण हो सो मांग जी १८२

८. देश-प्रेम और वीरता-रा गीत

९६. वाल्हो लागै छै म्हारो देसडो अे लो १८७
९७. सूरु ओ रण-में जूझिया १८८
९८. सती माता—हरजी-सूं हेत लग्यो १९०
९९. गोरा ! हट जा १९३

| | |
|-----------------------------|-----|
| १००. थानै रंग सौ कूप नरेस ! | १६४ |
| १०१. डूंगजी-जवारजी-रो गीत | १६६ |

६. कथा-गीत

| | |
|------------------|-----|
| १०२. जसमा ओडणी | २११ |
| १०३. ढोलो-मरन्नण | २१३ |
| १०४. सजनां | २१६ |
| १०५. काछबो राणो | २१६ |

१०. सिद्ध पुरसां-रा गीत

| | |
|---|-----|
| १०६. जीण माता-रो गीत | २२५ |
| १०७. पाबूजी-रा पत्राड़ा—गायां-रो पत्राड़ो | २३५ |
| १०८. तेजाजी-रो गीत (तेजो) | २४२ |

११. परचूण गीत

| | |
|--|-----|
| १०९. लाजां गूजरी | २५७ |
| ११०. रतन राणा (मरसियो) | २५६ |
| १११. धूजी—हाथ में चिटियो धूजी रमण-खेलण-नै चाल्या | २६१ |